(16)

कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्णियॉ

बिहार कृषि विश्वविधालय सबौर, भागलपुर

डॉ0 के0 एम0 सिंह
वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान

E-Mail:- purneakvk@gmail.com Mob. No.-9430613389

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की पन्द्रहवीं बैठक दिनांक 24.06.2023 की कार्यवाही प्रतिवेदन

कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्णियॉ की पन्द्रहवीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन निदेशक, प्रसार शिक्षा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर, भागलपुर की अध्यक्षता में दिनांक 24.06.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्णियॉ के प्रशिक्षण कक्ष में किया गया । इस कार्यकम का शुभारंभ डॉ0 आर0 के0 सोहाने, निदेशक, प्रसार शिक्षा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर, भागलपुर, डॉ0 पारसनाथ, सह–अधिष्ठाता–सह प्राचार्य, भो0 पा0 शा0 कृषि महाविद्यालय, पूर्णियॉ, डॉ0 के0 एम0 सिंह, वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्णियॉ, संबद्ध विभागों के गणमान्य पदाधिकारीगण एवं जिले के प्रगतिशिल नामित कृषको द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया । तत्पश्चात केन्द्र द्वारा प्रकाशित कृषक समाचार (अप्रैल–जून 2023) का विमोचन किया गया ।

तकनीकी सत्र के दौरान वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान द्वारा केन्द्र के चौदहवीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक (23.06.2022) के कार्यवाही प्रतिवेदन का अनुपालन प्रतिवेदन की प्रस्तुत किया गया जिसे सदन द्वारा संपुष्ट किया गया । तत्पश्चात केन्द्र की जून 2022 से मई 2023 तक का प्रगति प्रतिवेदन एवं वर्ष 2023–24 के वार्षिक कार्ययोजना से प्रस्तुत किया गया । **बैठक में उपस्थित अध्यक्ष महोदय एवं अन्य गणमान्य सदस्यों द्वारा आपसी विचार–विमर्श उपरान्त अनुपालनार्थ निम्न सुझाव दिये गये :–**

1. केन्द्र वार्षिक कार्ययोजना 2023–24 में मिलेट कॉप / मोटे अनाज का प्राथमिक कार्य क्षेत्र के रूप में सम्मिलित किया जाय । **(अनु0– वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान)**
2. केन्द्र के माध्यम से पूर्व में संचालित योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन / मूल्यांकन कर परिणाम संकलित किया जाय । **(अनु0– सभी वि0 व0 वि0)**
3. जिले मे मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र के मशरूम स्पॉन उत्पादन को लोकप्रिय किया जाना चाहिए । **(अनु0– वि0 व0 वि0, उद्यान)**
4. जिले के कृषकों से संबंधित विभिन्न कियाकलापों का केस स्टडी / सक्सेस स्टोरी का संकलन किया जाना चाहिए । **(अनु0– सभी वि0 व0 वि0)**
5. कूपोषन उन्मूलन कार्यकम का चयनित गॉवों में समुचित संचालन किया जाय एवं पोषण वाटिका की स्थापना की जाय। **(अनु0– वि0 व0 वि0, उद्यान)**

6. एफ0पी0ओ0 से संबंधित मखाना उत्पादक किसानों का केन्द्र के क्षमता संवर्धन का कार्यक्रम से जोड़ा जाय । (अनु0– वि0 व0 वि0, उद्यान)

7. केन्द्र के अंगीकृत गॉवों में नैनो फर्टिलाइजर के प्रयोग का बढ़ावा दिया जाना चाहिए ।

(अनु0– वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान एवं वि0 व0 वि0, शष्य)

8. जुट अनुसंधान केन्द्र बैरकपुर (कोलकता) की मुख्य तकनीकों को आवश्यकतानुसार जिले में प्रदर्शित किया जाय । (अनु0– वि0 व0 वि0, शष्य)

9. प्रसार कर्मियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था केन्द्र पर की जाय ।

(अनु0– वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान)

10. मौषम पूर्वानुमान आधारित कृषि सलाह सेवा से अधिकाधिक कृषकों को जोड़ा जाय ।

(अनु0– वि0 व0 वि0, ग्रा0 कृ0 मौ0 सेवा)

डॉ0 संगीता मेहता, वि0 व0 वि0 (उद्यान) कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्णियॉ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हीं अध्यक्ष की अनुमति से बैठक की समाप्ति की गयी ।

उपस्थिति : पंजी में संधारित

28/07/23

वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान
कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्णियॉ

पत्रांक – 353 /कृ0 वि0 के0 पूर्णियॉ दिनांक– 25/07/2023

प्रतिलिपि : निदेशक, अटारी, पटना, आई0सी0ए0आर0 जोन–IV / निदेशक, प्रसार शिक्षा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर, भागलपुर / सह–अधिष्ठाता–सह प्राचार्य, भो0 पा0 शा0 कृषि महाविद्यालय / सभी सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति / संबंधित वैज्ञानिक एवं पदाधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र पूर्णियॉ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित ।

25/07/23

वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान
कृषि विज्ञान केन्द्र, पूर्णियॉ